निर्धन परिवार के बच्चों में पोषक तत्त्वों की कमी से होने वाले प्रभाव का अध्ययन

डॉ. सुनीला कुमारी

बच्चों के देखभाल, पोषण, स्वास्थ्य तथा शिक्षा को बढ़ावा देने में पारिवारिक स्थिति की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बालक एवं बालिकाओं के समग्र विकास में 6–12 वर्ष की अवस्था एक महत्वपूर्ण अवस्था है जो कि उनके वृद्धि एवं विकास को प्रभावित करती है। अतः यह मान लिया जाता है कि यदि 6–12 वर्ष की बालक–बालिकाएँ स्वस्थ तथा पोषणात्मक कमियों से मुक्त होगा तो वे भविष्य में राष्ट्र के विकास में अहम भूमिका निभा सकती है। साथ ही साथ परिवार तथा समाज का भी बेहतर विकास तथा कल्याण कर पाएगा। 6–12 वर्ष के बालक–बालिकाएँ पोषणात्मक कमियों की शिकार होता हैं तो भविष्य में वे स्वस्थ नहीं रह पाएगा। इस तरह देश और समाज दोनों ही पिछड़ा और अविकसित होगा। अतः यह भी महत्वपूर्ण है कि बालक–बालिकाओं स्वस्थ, विकसित तथा पोषणात्मक कमियों से मुक्त हों ताकि हमारा परिवार, समाज तथा राष्ट्र विकास की धारा से जुड़ सके ताकि पूरे समाज का सर्वांगीण विकास हो सके तथा किशोरियाँ राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके।